Name - Subhash Chandra gautam

College name - Shakuntalam Institute of teacher education

Sasaram Rohtas Bihar

Paper - F4 विद्यालय, संस्कृति, परिवर्तन और शिक्षक विकास

Unit - 5 [D El.Ed 1st year (2019-2021)

Date -

Topic - संकुल संसाधन केन्द्र

संकुल संसाधन केन्द्र

संकुल या क्लस्टर 8 से 10 विद्यालयों यानि प्रारंभिक कक्षा से लेकर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के समूह को कहते हैं। जिसमें विभिन्न संस्थाएँ अपने संसाधनों, विशेषज्ञों, सामग्री तथा अध्यापन - सहायक सामग्री, इत्यादि का आदान - प्रदान करके एक दूसरे को प्रेरित करते हैं, और उनका प्रयोग सामान्य रूप से करते हैं।

संकुल संसाधन केन्द्र से क्लस्टर स्तर पर वही कार्य करता है जो खण्ड संसाधन केन्द्र करते हैं। जिन प्रधानाध्यापक को ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत शिक्षा अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में संकुल शिक्षा अधिकारी कहा जाता है, संकुल संसाधन केन्द्र ऐसे प्रधानाध्यापक के प्रति उत्तरदायी होता है।

संकुल संसाधन केन्द्र की भूमिका

संकुल संसाधन केन्द्र उसके अन्दर आने वाले सभी विद्यालयों का मानदण्ड तैयार करते हैं तथा उसमें उपस्थित शिक्षक - शिक्षिकाओं का लेखा - जोखा रखते हुए उनकी प्रगति के लिए विभिन्न कार्यशाला

Scanned with CamScanner

आदि का आयोजन करते हैं।

संकुल संसाधन केन्द्र की मुख्य भूमिका :—

① - विद्यालय निधि का प्रबन्धन और वंटन करवाना।

② - संकुल के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों में उपस्थित शिक्षको के लिए समय - समय पर कार्यशालाओं का आयोजन करना।

③ - विद्यालय को चलाने के लिए नियम तथा क्रियाविधि तैयार करना।

④ - नये सिलेबस या पाठ्यचर्या को कार्यान्वित करने के लिए व्यवस्था करना।

संकुल संसाधन केन्द्र के कार्य :—

संकुल संसाधन केन्द्र शिक्षक सशक्तिकरण के रूप में कार्य करता है; जहाँ शिक्षक विद्यालय में उनके द्वारा प्रयुक्त अनुभवो तथा नावाचार पद्धतियों का आदान-प्रदान करते हैं। संकुल संसाधन समय - समय पर शिक्षको को प्रशिक्षण देने का कार्य भी करते हैं। कार्य निम्न है

① संकुल के अन्तर्गत आने वाले सभी विद्यालयों का निरीक्षण करना।

② संकुल के अन्तर्गत आने वाले सभी विद्यालयों को फर्नीचर, उपकरण तथा लेखन - सामग्री का वितरण करना।

③ समूह के अन्तर्गत अध्यापको का स्थानान्तरण की प्रक्रिया आरम्भ करना।

④ समूह के अन्तर्गत आने वाले समस्त अध्यापको एवं कर्मचारियों का वेतन वितरण करना।

Scanned with CamScanner

⑤ संकुल के अन्तर्गत आने वाले समूह के छुट्टी पर आने वाले अध्यापकों की स्थानापन्न व्यवस्था करना।

⑥ विभिन्न शैक्षिक उत्सवों को मानना।

⑦ पाठ्यचर्यात्मक सामग्री का विकास करना।

⑧ समूह के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की आकस्मिक छुट्टी स्वीकृत करना।

⑨ संकुल के अन्तर्गत आने वाले विद्यालयों के बारे में ऐसी सूचना एकत्रित करना जिसे अपर खण्ड ~~संसाधन~~ संसाधन केन्द्र जिला स्तर पर भेजा जाना।

⑩ अध्यापकों की नियमित बैठकों की व्यवस्था करना।

⑪ अध्यापन व अधिगम संसाधनों की सुलभता प्रदान करना।

⑫ विद्यालयों का पर्यवेक्षण तथा निरिक्षण करना।

⑬ अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाना।

इस प्रकार हम देखते हैं कि संकुल संसाधन केन्द्र ग्रामीण शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के एकाकीपन को समाप्त कर देते हैं और उन्हें सभी से मिलने तथा विचारों के आदान-प्रदान में मदद करता है। तथा विद्यालयों में अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना।